/font>

Title: Need to encourage production of Hepatitis-B vaccine indigenously.

श्री सुरेश चन्देल (हमीरपुर, हि.प्र.) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके ध्यान में लाना चाहता हूं कि हमारे देश में हैपेटाइटिस-बी बीमारी के प्रकरण दिनोंदिन बढ़ते जा रहे हैं जो सारे देश के लिए चिंता का विाय है। इसका मुख्य कारण पानी एवं खान-पान का प्रदूति होना है।

देश में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के एक अध्ययन के अनुसार 5000 व्यक्ति प्रति र्वा इस बीमारी के कारण काल के गाल में समा जाते हैं। इसे रोकने हेतु सरकार पर अप्रत्यक्ष रूप से बहुराट्रीय कंपनियां उनके द्वारा तैयार महंगी वैक्सीन अपने देश में प्रयोग करने हेतु दबाव डाल रही हैं। यह इस देश के पर्यावरण एवं जल वायु के अनुकूल नहीं है। प्रारम्भ में तो विदेशों से मुफ्त में यह वैक्सीन प्राप्त होगी, लेकिन जब देश उसके ऊपर निर्भर हो जाएगा तो वे अत्यन्त महंगी एवं मनमानी कीमत पर उसे हमारे देश को बेचेंगे और विवश होकर हमें वह खरीदनी पड़ेगी।

मेरा आग्रह है कि बहुराट्रीय कंपनियों के इस अप्रत्यक्ष दबाव में न आकर हमें अपने देश में ही इस हेतु चल रहे अनुसंधान को बढ़ावा देकर अपनी जलवायु और वाता वरण के अनुकूल सस्ती हैपेटाइटिस-बी वैक्सीन तैयार करने हेतु सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को प्रोत्साहित करना चाहिए।

श्री चन्द्रनाथ सिंह (मछलीशहर) : उपाध्यक्ष जी, मैंने आज सुबह स्थगन प्रस्ताव दिया है, उसका क्या हुआ।

MR. DEPUTY-SPEAKER: That was not admitted.

श्री चन्द्रनाथ सिंह : आप बता दें। अगर आज नहीं लिया जा सका तो कल ले लीजिएगा।

उपाध्यक्ष महोदय : कल का तो कल ही होगा। अभी कैसे बता दें।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कल के एडजार्नमेंट मोशन के लिए, कल ही होगा।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : क्या आज नहीं लिया जाएगा?

उपाध्यक्ष महोदय : आज का डिसीजन हो चुका है।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : डिसीजन क्या हुआ, मालूम नहीं है।

उपाध्यक्ष महोदय : रिजैक्टेड ।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : अभी लिया जा रहा है या नहीं लिया जा रहा है, हम समझ नहीं पा रहे हैं। आज लेंगे या नहीं? नहीं लेंगे, तो क्यों नहीं लेंगे?

उपाध्यक्ष महोदय : आज का डिसाइड हो चुका है।

श्री चन्द्रनाथ सिंह : हमनेनोटिस दिया है, लेकिन बोलने का मौका नहीं मिल रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय : जितने नोटिस आते हैं, सबका एक साथ डिसीजन नहीं होता है। अभी यह नोटिस रिजैक्शन में है।